चार धाम यात्रा 2024 के दौरान तीर्थयात्रियों की मृत्यु

चर्चा में क्यों?

वर्ष 2024 में उत्तराखंड में 192 दिनों की चार धाम यात्रा, जिसमें बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री **और** यमुनोत्री जैसे **ऊँचे स्थान वाले मंदिर** शामिल हैं, में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण **246 तीर्थयात्रियों की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु** हो गई।

प्रमुख बिंदु

- उत्तराखंड सरकार के आँकड़ों के अनुसार, **चार धाम यात्रा में 47,03,905 से अधिक तीर्थयात्रियों ने भाग लिया** , जो **10 मई 2024 को शुरू** हुई और **17 नवंबर 2024 को समाप्त** होने वाली है।
  - **वर्ष 2023** में मृत्यु दर **230** से अधिक हो गई, जबकि **वर्ष 2022 में यह संख्या 300 से अधिक** थी।
- **हेलीकॉप्टर यात्रा और स्वास्थ्य ज़ोखिम:**
  - केदारनाथ मंदिर तक पहुँचने के लिये हेलीकॉप्टर का उपयोग करने वाले तीर्थयात्रियों में मृत्यु दर बहुत अधिक देखी गई।**अनुकूलन के बिना उच्च ऊँचाई** (लगभग 3,000 मीटर) **पर तेज़ी से चढ़ने से स्वास्थ्य ज़ोखिम बढ़ जाता है।**
  - सभी चार धाम तीर्थस्थलों पर **ऑक्सीजन की कमी** से **ऊँचाई संबंधी बीमारी** हो सकती है, जो कि यदि तुरंत प्रबंधित न की जाए तो घातक हो सकती है।
  - **अपर्याप्त आवास, मार्ग पर भीड़भाड़, चरम और परिवर्तनशील मौसम की स्थिति,** तथा अपर्याप्त स्वास्थ्य जाँच जैसे मुद्दे।
- **चार धाम यात्रा का आर्थिक प्रभाव:**
  - इस यात्रा से **प्रतिवर्ष लगभग 7,500 करोड़ रुपए की आय होती है,** जो उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा है।
  - यह यात्रा **प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करती है** , जिसमें होटल कर्मचारी, गाइड, टैक्सी चालक, पुजारी, खच्चर संचालक, कुली और पर्यटन और हस्तशिल्प क्षेत्र के अन्य लोग शामिल हैं।
- **आलोचना और चिंताएँ:**
  - यद्यपि राज्य ने इस वर्ष तीर्थयात्रियों के लिये स्वास्थ्य जाँच अनिवार्य कर दी है, फिर भी उच्च मृत्यु दर ने चिंता उत्पन्न कर दी है।
  - नीति आयोग जैसे थिंक टैंक ने बार-बार भारतीय हिमालयी क्षेत्र में सतत् पर्यटन प्रथाओं का आह्वान किया है तथा राज्य से इन मानकों के अनुरूप कार्य करने का आग्रह किया है।

चार धाम यात्रा

- **यमुनोत्री धाम:**
  - **अवस्थिति:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी यमुना को।
  - यमुना नदी भारत में गंगा नदी के बाद दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
  - **अवस्थिति:** उत्तरकाशी ज़िला।
  - **समर्पित:** देवी गंगा को।
  - सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
  - **अवस्थिति:** रुद्रप्रयाग ज़िला।
  - **समर्पित:** भगवान शिव को।
  - मंदाकिनी नदी के तट पर स्थित है।
  - भारत में 12 ज्योतिर्लिंगों (भगवान शिव के दिव्य प्रतिनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
  - **अवस्थिति:** चमोली ज़िला।
  - पवित्र बद्रीनारायण मंदिर का स्थान।
  - **समर्पित:** भगवान विष्णु को।
  - वैष्णवों के लिये पवित्र तीर्थस्थलों में से एक।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pilgrims-death-during-char-dham-yatra-2024